DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 May, 2024

डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक

संदर्भ: *भारत Google, Facebook और Amazon जैसे तकनीकी कम्पनियों को अपनी सेवाओं का पक्ष लेने या संबद्ध कंपनियों के लिए उन आंकड़ों का लाभ उठाने से रोकने के लिए यूरोपीय नियमों को प्रतिबिंबित करते हुए एक नए डिजिटल प्रतिस्पर्धा कानून बनाने की योजना बना रहा है।*

➢ डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक, 2024 क्या है ?

- भारत यूरोपीय संघ से प्रेरित एक नए डिजिटल प्रतिस्पर्धा कानून का प्रस्ताव करता है, जो Google, Facebook और Amazon जैसे ऑनलाइन डिजिटल कंपनियों को लक्षित करता है।
- इस कानून का उद्देश्य संबद्ध कंपनियों के बीच सेवाओं की स्व-वरीयता और डेटा शोषण को रोकना है।
- साथ ही इसके उल्लंघनों के लिए वित्तीय जुर्माना (संभावित रूप से अरबों डॉलर का) भी प्रस्तावित है।

➢ समिति की सिफारिशें:

- **डिजिटल प्रतिस्पर्धा का पूर्व-नियमन:** प्रतिस्पर्धा-विरोधी घटनाओं के घटित होने से पहले सीसीआई को बड़े डिजिटल उद्यमों को विनियमित करने में सक्षम बनाने के लिए डिजिटल प्रतिस्पर्धा अधिनियम का प्रस्ताव दिया गया है।
- **व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण डिजिटल उद्यम (एसएसडीई):** बाजार एकाग्रता के प्रति संवेदनशील एसएसडीई के रूप में मुख्य डिजिटल सेवाएं प्रदान करने वाली संस्थाओं को भी इससे जोड़ा गया है।
- **एसएसडीई वर्गीकरण के लिए सीमाएं:** वित्तीय क्षमता और सेवा प्रसार के आधार पर एसएसडीई पदनाम के लिए मात्रात्मक सीमाओं और गुणात्मक मानदंडों का उपयोग किया जाएगा।
- **एसोसिएट डिजिटल एंटरप्राइजेज (एडीई):** कोर डिजिटल सेवाओं में लगे उद्यमों के लिए एडीई के रूप में अनुपालन की आवश्यकता है।
- **एसएसडीई के दायित्व:** कुछ प्रथाओं पर प्रतिबंध, जिसमें स्वयं के उत्पादों/सेवाओं के प्रति पक्षपात और प्रतिस्पर्धा के लिए डेटा का उपयोग करना शामिल है।
- **प्रावधानों का प्रवर्तन:** सीसीआई के तहत जांच और तकनीकी क्षमता में वृद्धि के लिए कंपनियों के महानिदेशकों का सशक्तिकरण किया जाएगा।
- **अर्थदंड:** वैश्विक टर्नओवर के आधार पर सामन्य नागरिकों की तरह ही अर्थदंड को अपनाया जाना चाहिए, जो एसएसडीई के टर्नओवर के 10% तक सीमित है।

➢ मसौदा विधेयक की आलोचना:

- सख्त नियामक ढांचे और अनुपालन दवाब के कारण बड़ी तकनीकी कंपनियों, उद्योग निकायों और परामर्शदाताओं द्वारा इसका प्रतिरोध किया जा रहा है।
- नवाचार और अनुसंधान पर संभावित प्रभाव के साथ-साथ भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा मनमाने ढंग से निर्णय लेने को लेकर लगातार एकाधिकार का दावा माना जा रहा है।
- विभिन्न डिजिटल कंपनियां महत्वपूर्ण प्लेटफार्मों की व्यापक परिभाषा और छोटे व्यवसायों पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में आशंका व्यक्त करती हैं।

संगम पहल

संदर्भ: *दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने गर्व के साथ एक अभूतपूर्व पहल 'संगम: डिजिटल ट्विन विद एआई-ड्रिवेन इनसाइट्स इनिशिएटिव' के चरण 1 के लिए चयनित प्रतिभागियों की घोषणा की है।*

- 15 फरवरी, 2024 को लॉन्च की गई संगम पहल बुनियादी ढांचे की योजना और डिजाइन को बदलने का प्रयास करती है।
- यह भौतिक वातावरण के सटीक और गतिशील मॉडल विकसित करने के लिए डिजिटल ट्विन तकनीक का उपयोग करता है।
- यह दृष्टिकोण वास्तविक समय की अंतर्दृष्टि और पूर्वानुमानित विश्लेषण का आधार तैयार करता है, जिससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की दक्षता और सटीकता में सुधार होता है।
- यह पहल भौतिक संपत्तियों की व्यापक डिजिटल प्रतिकृतियां बनाने के लिए दूरसंचार, कम्प्यूटेशनल प्रौद्योगिकियों, सेंसिंग और इमेजिंग प्रक्रिया को भी एकीकृत करती है।
- इसका लक्ष्य बुनियादी ढांचे के विकास में जटिल चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटना है।

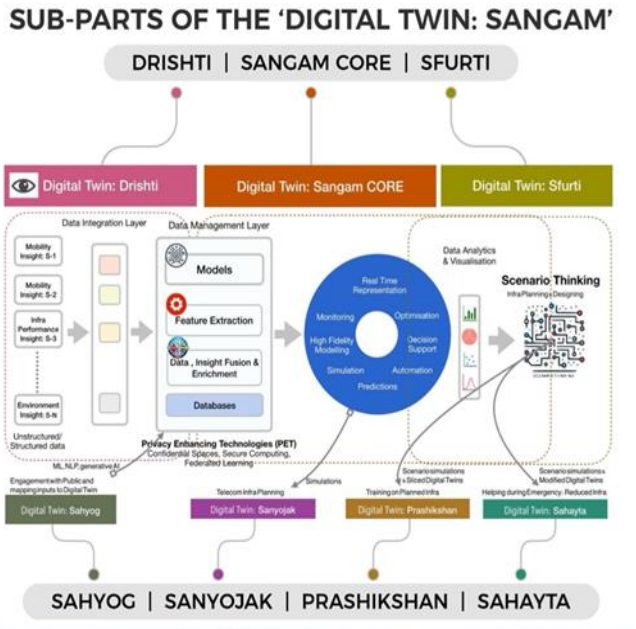

➢ विशेषज्ञता का स्पेक्ट्रम:

- **भू-स्थानिक और संरचनात्मक विशेषज्ञ**: भू-स्थानिक डिजिटल भवन सूचना मॉडलिंग (बीआईएम) में कुशल संगठन और पेशेवर भौतिक स्थानों और संरचनाओं की विस्तृत डिजिटल प्रतिकृतियां तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।
- **यूटिलिटी नेटवर्क पेशेवर:** बिजली, दूरसंचार और गैस जैसे क्षेत्रों से जियो-टैग यूटिलिटी नेटवर्क जानकारी के विशेषज्ञ बुनियादी ढांचे की योजना और प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ा प्रदान करते हैं।
- **डेटा इनसाइट प्रदाता:** प्राप्त डेटाओं के माध्यम से कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने वाले विशेषज्ञ सूचित योजना और प्रतिक्रिया रणनीतियों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं।
- **एआई और एमएल इनोवेटर्स:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) में कुशल पेशेवर अवधारणा के प्रमाण (पीओसी) कार्यक्षमता का समर्थन करने वाले गणितीय और ग्राफिकल मॉडल विकसित करते हैं।
- **गेमिंग इंजन विशेषज्ञ:** गेमिंग इंजन के विशेषज्ञ परिदृश्य सिमुलेशन को सक्षम करते हैं और पीओसी की इंटरैक्टिव क्षमताओं को बढ़ाते हैं।
- **दृश्यता और सिंक्रनाइज़ेशन:** वास्तविक समय में डिजिटल ट्विन के साथ "देखने" और सिंक्रनाइज़ करने की क्षमता विकसित करना, बुनियादी ढांचे और इसके उपयोग की व्यापक समझ प्रदान करना। इस पहलू को डिजिटल ट्विन: दृष्टि नाम दिया गया है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **निर्णय लेने वाले मॉडल:** रणनीतिक योजना और निर्णय लेने की सुविधा के लिए सिमुलेशन मॉडल बनाना, पूर्वानुमानित और परिदृश्य-आधारित विश्लेषण के लिए एआई और एमएल का उपयोग करना।
- **प्रासंगिक अनुशंसाएँ**: बुनियादी ढाँचे के प्रबंधन में अनुकूली और प्रतिक्रियाशील परिवर्तनों को सक्षम करने के लिए डेटा और मॉडलों के आधार पर विशिष्ट, प्रासंगिक कार्रवाइयों की पेशकश करना। इस पहलू को डिजिटल ट्विन: स्फूर्ति नाम दिया गया है।

अफ्रीका में स्वच्छ पाक कला पर शिखर सम्मेलन

संदर्भ: *अफ्रीका में स्वच्छ खाना पकाने की समस्या को संबोधित करने वाला पेरिस शिखर सम्मेलन कुल $2.2 बिलियन की वैश्विक प्रतिबद्धताओं के साथ संपन्न हुआ।*

➢ **अफ्रीका में पारंपरिक खाना पकाने के तरीके:**

- अफ्रीका में प्रचलित पारंपरिक तरीकों से खाना पकाने के कारण होनेवाले स्वास्थ्य और जलवायु प्रभावों से निपटने हेतु संपन्न पेरिस शिखर सम्मेलन में लगभग 60 देशों के 1,000 से अधिक प्रतिनिधि एकत्र हुए।
- वर्तमान में, अफ्रीका में एक अरब से अधिक लोग खाना पकाने के लिए कोयले और लकड़ी पर निर्भर हैं, जिससे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और पर्यावरणीय जोखिम उत्पन्न होते हैं।

➢ **चुनौतियाँ और प्रभाव:**

- चीन, भारत और लैटिन अमेरिका में स्वच्छ खाना पकाने में पर्याप्त प्रगति देखी गई है लेकिन अफ्रीका में अभी भी यह एक चुनौती बनी हुई है।
- बेनिन, इथियोपिया, लाइबेरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और तंजानिया जैसे देश अभी भी खाना पकाने के लिए बायोमास पर बहुत अधिक निर्भर हैं, जहां 80% से अधिक आबादी पारंपरिक तरीकों का उपयोग करती है।

➢ **स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं:**

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) पारंपरिक खाना पकाने की प्रथाओं से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को रेखांकित करती हैं, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों के सन्दर्भ में।
- गंदे ईंधन और स्टोव से होने वाला घरेलू वायु प्रदूषण 3.2 मिलियन वार्षिक मौतों का कारण बनता है, जिनमें से अकेले अफ्रीका में 600,000 से अधिक मौतें होती हैं।

➢ **वित्तीय और पर्यावरणीय निहितार्थ:**

- अफ्रीका में स्वच्छ खाना पकाने की सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने में वार्षिक रूप से अनुमानित 4 अरब डॉलर की लागत आएगी, इसकी सहायता से जंगलों को बचाया जाएगा और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम किया जाएगा।
- विभिन्न देशों की सरकारों से आग्रह किया जा रहा है, कि वे ऊर्जा निवेश पर सालाना खर्च होने वाले 80 बिलियन डॉलर का कम से कम 5% स्वच्छ खाना पकाने के समाधान के लिए आवंटित करें।

➢ **वैश्विक समर्थन और प्रतिबद्धताएँ:**

- शिखर सम्मेलन के दौरान अफ्रीका में स्वच्छ खाना पकाने की पहल का समर्थन करने के लिए 2.2 बिलियन डॉलर से अधिक की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई है।
- नॉर्वे ने $50 मिलियन आवंटित किए, जबकि यूरोपीय संघ ने स्वच्छ खाना पकाने की गतिविधियों के लिए $431 मिलियन आवंटित करने का वादा किया है।
- अफ्रीकी विकास बैंक ने स्वच्छ खाना पकाने की पहल के लिए अगले दशक में 2 बिलियन डॉलर देने का वादा किया है।

➢ **सरकारी प्रतिबद्धताएँ:**

- तंजानिया का लक्ष्य है कि 2030 तक उसकी 80% आबादी पर्यावरणीय स्थिरता और लैंगिक समानता पर जोर देते हुए स्वच्छ खाना पकाने के तरीकों को अपनाए।
- युगांडा और मोज़ाम्बिक जैसे देश इलेक्ट्रिक खाना पकाने के उपकरणों को लागू करने में अग्रणी उदाहरण हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

नागालैंड की राष्ट्रीय समाजवादी परिषद

*नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन) ने बुधवार को भारतीय सुरक्षा बलों पर म्यांमार में **"मैतेई क्रांतिकारी समूहों"** के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए **"कुकी उग्रवादी समूहों"** की मदद करने का आरोप लगाया।*

नागालैंड की राष्ट्रीय समाजवादी परिषद के बारे में:

- नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन) एक नागा अलगाववादी और उग्रवादी समूह है जो भारत के उत्तरपूर्वी हिस्से और उत्तरपश्चिम म्यांमार में सक्रिय है।
- इसकी स्थापना 31 जनवरी, 1980 को इसाक चिसी स्वू, थ उइंगालेंग मुइवा और एस.एस. खापलांग द्वारा की गई थी।
- इसका मुख्य लक्ष्य **"नागालिम"** नामक एक संप्रभु नागा राज्य की स्थापना करना है जिसमें सभी नागा-बसे हुए क्षेत्र शामिल होंगे।
- इसकी विचारधारा में नागा राष्ट्रवाद, ईसाई राष्ट्रवाद, माओवाद और अलगाववाद शामिल है।
- शुरुआत में इसे एक इकाई के रूप में गठित किया गया था लेकिन बाद में यह दो गुटों में विभाजित हो गया:

- **एनएससीएन-आईएम (इसाक-मुइवा गुट):** इसाक चिशी स्वू और थुइंगलेंग मुइवा ने इसे नेतृत्व प्रदान किया जिसने 1997 में भारत सरकार के साथ युद्धविराम पर हस्ताक्षर किए।
- **एनएससीएन-के (खापलांग गुट):** 2017 में अपनी मृत्यु तक एस.एस. खापलांग ने इसे नेतृत्व प्रदान किया , जो भारतीय राज्य के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध के लिए जाना जाता था।

- एनएससीएन-आईएम ने 2015 में भारत सरकार के साथ एक ऐतिहासिक "फ्रेमवर्क समझौते" पर हस्ताक्षर किए।
- समझौते का उद्देश्य नागाओं के अद्वितीय इतिहास और संस्कृति को मान्यता देकर नागा मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजना है।
- एनएससीएन को भारत में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत एक आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

भीष्म घन

हाल ही में, भारतीय वायु सेना ने उत्तर प्रदेश के आगरा में एयरड्रॉप ऑपरेशन के लिए भीष्म क्यूब का परीक्षण किया।

भीष्म क्यूब के बारे में:

- भीष्म क्यूब भारत द्वारा विकसित एक स्वदेशी मोबाइल अस्पताल है।
- यह प्रोजेक्ट भीष्म (सहयोग, हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल) का एक घटक है।
- इसका उद्देश्य देश में कहीं भी आपात स्थिति के दौरान त्वरित और व्यापक चिकित्सा सहायता प्रदान करना है।
- यह आपात्कालीन स्थिति के दौरान सुदूर या दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती की इसकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- इसे 200 हताहतों के इलाज के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो इसे बड़े पैमाने पर हताहतों से निपटने के लिए उपयुक्त बनाता है।
- यह मजबूत, जलरोधक और हल्का है, जो स्थायित्व और तैनाती में आसानी सुनिश्चित करता है।

इग्ला-एस वायु रक्षा प्रणाली

हाल ही में, भारतीय सेना ने आपातकालीन खरीद के तहत रूसी इग्ला-एस वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद की है।

इग्ला-एस वायु रक्षा प्रणालियों के बारे में:

- इग्ला-एस रूस द्वारा विकसित एक बहुत ही कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (VSHORAD) है।
- यह एक पोर्टेबल, कंधे से दागी जाने वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली के रूप में कार्य करता है।
- इसे कम उड़ान वाले विमानों, हेलीकॉप्टरों और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह युद्ध क्षेत्र में हवाई खतरों के खिलाफ सैनिकों को रक्षा की अंतिम पंक्ति प्रदान करता है।
- भारतीय सेना ने महत्वपूर्ण वायु रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आपातकालीन खरीद (ईपी) के तहत इग्ला-एस सिस्टम का अनुबंध किया है।
- इस अनुबंध में लॉन्चर, मिसाइल, रात्रि स्थल और एक मिसाइल परीक्षण स्टेशन शामिल हैं।
- रोसोबोरोनेक्सपोर्ट, रूस से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तहत अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एडीएसटीएल) द्वारा भारत में इग्ला-एस सिस्टम को असेंबल किया जा रहा है।

6जी टेक्नोलॉजी

*हाल ही में, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस. कृष्णन ने नई दिल्ली में **भारत 6जी 2024** सम्मेलन में भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए 6जी तकनीक की क्षमता पर जोर दिया।*

6G तकनीक के बारे में:

- 6G छठी पीढ़ी का सेलुलर नेटवर्क है, जो अप्रयुक्त रेडियो फ्रीक्वेंसी में काम करेगा, जो 5G की तुलना में कई गुना तेजी से संचार के लिए AI जैसी संज्ञानात्मक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करेगा।
- 6G सुविधाओं में टेराहर्ट्ज़ तरंगों के माध्यम से डेटा ट्रांसफर की खोज, अनुकूलित नेटवर्क प्रदर्शन के लिए एआई एकीकरण, उन्नत सुरक्षा उपाय, अति-विश्वसनीय कम विलंबता संचार और रेडियो तरंगों को बढ़ाने के लिए बुद्धिमान प्रतिबिंबित सतहों का उपयोग शामिल है।
- 6G तकनीक के महत्व में स्थिरता को बढ़ावा देना, ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करना और बेहतर सुरक्षा के लिए लचीले नेटवर्क का निर्माण करना शामिल है।
- 6G प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों में ऑन-डिमांड स्वास्थ्य सेवाएँ, पूर्वानुमानित कृषि प्रणालियाँ, शहरी वायु गतिशीलता सुविधा, परिवर्तनकारी शिक्षा पद्धतियाँ, उन्नत IoT (इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स) कनेक्टिविटी और नई अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं को सक्षम करना शामिल हैं।

सुर्खियों में स्थल

इरिट्रिया

हाल ही में, भारत और इरिट्रिया के बीच विदेश कार्यालय परामर्श (FOC) का दूसरा दौर नई दिल्ली में हुआ।

इरीट्रिया (राजधानी: अस्मारा)

अवस्थिति : इरिट्रिया एक देश है, जो पूर्वी अफ्रीका में स्थित है।

सीमाएँ: इरिट्रिया अपनी सीमाएँ लाल सागर (उत्तर-पूर्व और पूर्व), सूडान (पश्चिम), इथियोपिया (दक्षिण) और जिबूती (दक्षिण-पूर्व) के साथ साझा करता है।

भौतिक विशेषताऐं:

- इरिट्रिया का सबसे ऊँचा स्थान माउंट सोइरा है, जिसे सोइरा पर्वत के नाम से भी जाना जाता है।
- इरिट्रिया में कुछ मौसमी नदियाँ और धाराएँ हैं जो बरसात के मौसम में बहती हैं, जिनमें एंसेबा नदी और बरका नदी शामिल हैं।
- इरिट्रिया खनिज संसाधनों से समृद्ध है, जिसमें सोना, तांबा, जस्ता, पोटाश और अन्य खनिजों के महत्वपूर्ण भंडार हैं।
- देश की कुछ उल्लेखनीय खनिज परियोजनाओं में बिशा खदान शामिल है, जो दुनिया में उच्चतम श्रेणी की खुली खदान वाली तांबे की खदानों में से एक है और ज़ारा गोल्ड परियोजना।

स्वतंत्रता: इरिट्रिया को लंबे सशस्त्र संघर्ष के बाद 1993 में इथियोपिया से स्वतंत्रता मिली।

POINTS TO PONDER

- मिस्र में गीज़ा पठार पर स्थित गीज़ा के महान पिरामिड के निर्माण का संबंध किस मिस्र के फिरौन से है? – **खुफू (चेओप्स), मिस्र के चौथे राजवंश का दूसरा राजा**
- कौन सा मंत्रालय भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) की देखरेख करता है? – **गृह मंत्रालय (एमएचए)**
- हाल ही में, अज्ञात संख्या में ओर्कास ने जिब्राल्टर जलडमरूमध्य में मोरक्कन जल में एक नौकायन नौका को टक्कर मारकर उसे डुबो दिया। जिब्राल्टर जलसंधि किन दो जल निकायों को जोड़ती है? – **भूमध्य सागर और अटलांटिक महासागर**
- तमिलनाडु तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण ने ब्लू फ्लैग प्रमाणन का पता लगाने की शर्त के साथ विकास के लिए किस परियोजना की सिफारिश की है? – **इंजंबक्कम-अक्करई खंड विकास परियोजना**
- हाल ही में भारत-अमेरिका संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभ्यास 'तरकश' का सातवां संस्करण कहाँ आयोजित किया गया था? – **कोलकाता (भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और अमेरिकी विशेष अभियान बल (एसओएफ) के बीच आयोजित)**